

ॐ नमः श्री कृष्णाय नमः ॥ तिलनतामि य ॥ ततः ॥ सूर्याय ॥ नंदीयै ॥  
 श्री नंदी कूलमार्कटुर् नवाय वकाशजकि सहिताय अर्घ्यं वादको ज ॥  
 श्री देव ॥ नंदकलिकलूषकता कश्चलु मार्कटुर् नवाय वकाशजकि सहिताय अर्घ्यं वादको ज ॥  
 लो निहानसीत्यु यदा ता ॥ एते वगनमनु तां वज्र न ता र्घ्यं का कूम  
 मरु लज लाघी त्वा कूलार्क नमामि ॥ मार्कटुर् नवाय वकाशजकि सहिताय अर्घ्यं वादको ज ॥  
 ॥ गंगा तुल नमस्कारं ॥ नंदज अर्घ्यं मधुला कावत्यादिशा ॥  
 रूपाइकी पूजयामि ॥ नंदज वदनामवायु ॥ नंदज वनामवायु ॥ नंदज

२७ पाञ्चमयेष्टायाय अर्घ्यं नित्यं कर्मायन



कूर्मा मया पूज ॥ नैज किं लिखि विवका कनायक ४ अमुय रुट ॥ लहिल ॥  
नैज कुरु वरुय अली खाहा ॥ वडी कनरी ॥ नैज तलम वेल क म च ल  
नैज कुरु रुखाहा ॥ दगदाव नैधनी ॥ नैज किं लिखि विवका कनायक ४ अ  
मुय रुट ॥ नैज नमारु गवती दग क म लाये कांघी अमुखाया ॥ नैज अ  
कुरु काये कलदी पाये की नईनीया ॥ नैज कांघी कुरु वरुय निध कंधी म  
अमाया या पूज ॥ नैज धाव अथा व अथा वामुखि वरुय डंघी अनामिका  
या या पूज ॥ नैज चो चो मरुका नि काये कांघी कनिषा या या पूज ॥ नैज कि

लिखि विवका कनायक ४ अमुय रुट ॥ कनयास ॥ नैज नमारु गवति पीड  
व वरुय या पूज ॥ नैज अ कुरु काये धी पूर्व वरुय या पूज ॥ नैज कांघी कुरु  
दिवा वरुय या पूज ॥ नैज धाव अथा व अथा वामुखि पीड वरुय या  
या पूज ॥ नैज चो चो मरुका नि काये धी वरुय म वरुय या पूज ॥ नैज किं लिखि  
विवका कनायक यवा वरुय या पूज ॥ वरुय यास ॥ नैज नमारु गवति द  
ग क म लाये कांघी द दया य नम ॥ नैज अ कुरु काये क सदा पाये की धी  
नि वरुय खाहा ॥ नैज कांघी कुरु वरुय निध कंधी निवाये वरुय ॥ नैज  
धाव अथा व अथा वामुखि वरुय याये कांघी कवताय द ॥ नैज चो चो म







मयूवास्ताययायूज॥ आन॥ अवाकू समं सैका सै॥ नका म्बन विरुधिर्म  
। मयूसन समावृटं सयैयल्लाय निन॥ निनगी वि॥ आदिकं मसिष्ट  
कनै नथा॥ वैद्यककाल रुसुक्क रिगूल खद्वामभवत्॥ विन्दुवागुधव  
न्दवैरुगयालवदूकं गथ॥ आनयूयैकाइका॥ तं अदवी कूवदूकना  
थमहाकविलेति अटारानरासुन निनगु कालामूरु अवनवश्चद्व  
हिरुगवनममलम॥ अथ॥ अथयै नैवाक्किथं ददस्यमं कैंकै वलि  
वृक्षैश्चारा॥ आवाह नादि नऊनीमूडा॥ ॥ तं अमनास्ताय

पू. २ वलि

॥ २ वलि गृक्षैश्चारा ॥ २

रु. २

यायूज॥ आन॥ तं अमहायनामनावृटं॥ यागलावर्धुसैयूनी॥ खद्वष्टक  
रुसुक्क कयालै खद्वामभवत्॥ मणुमालावलिथवैद्वु कवा लरास  
म॥ उद्वैकैर्गमहाथवै विम्वु विम्वु लावर्न॥ आनयूयैमहाथवै नम  
रुक्कयालकै॥ आनयूयैकाइका॥ तं अद्वै वरुनाधियुगथयथ  
नामं अवनवश्चद्वु जाति नरुकायुखद्वै खद्वष्टकमहाकया  
लगुलारुलध्विगुकाटि समयुखद्वहिरुगवनै वववृथल य  
॥ अथयै नैममविद्या दयै २ जां कैंकै वलि गृक्षैश्चारा॥ आवाह

अममलमम ३ य २ य ३

म ३

गुलमालय ३







नयय्यमाइको ॥ वं ७ श्रीसिद्धिनामस्तु येवल्लिष्टक २ स्वाहा ॥ श्रीवाह  
 नादिकाइमडा ॥ ॥ वं ७ मूषासनायवायू ॥ धन ॥ वं ७ गीतव  
 कृष्णदूरीकासं गजवकुं ॥ धन ॥ मूषासनसमावृष्टिनिर्गयवम  
 धन ॥ जयमालाकूधनस्तु विन्दुयार्तिनयेवव ॥ सययिस्तु ॥ ववीगस्तु  
 गजनाजायगनमः ॥ धनयय्यमाइको ॥ वं ७ गीतव ॥ गीतव ॥ श्रीकूल  
 गीतव ॥ यवुलिष्टक २ स्वाहा ॥ श्रीवाहनादिगजमडा ॥ ४ ॥ जय  
 धन ॥ श्री ॥ श्रीयय्यमाइको ॥ श्रीयय्यमाइको ॥ ५ ॥ श्री

तामुलादिमूषासनायवायू ॥ श्रीसिद्धिनामस्तु येवल्लिष्टक २ स्वाहा ॥ श्रीवाहनादिगजमडा ॥ ४ ॥ जय  
 श्रीवाहनादिगजमडा ॥ श्रीसिद्धिनामस्तु येवल्लिष्टक २ स्वाहा ॥ श्रीवाहनादिगजमडा ॥ ४ ॥ जय

धन ॥ वं ७ श्रीसिद्धिनामस्तु येवल्लिष्टक २ स्वाहा ॥ श्रीवाहनादिगजमडा ॥ ४ ॥ जय  
 वं ७ नमः श्रीनाथाय ॥ श्रीसिद्धिनामस्तु येवल्लिष्टक २ स्वाहा ॥ श्रीवाहनादिगजमडा ॥ ४ ॥ जय  
 उकायां धनयय्यमाइको ॥ श्रीसिद्धिनामस्तु येवल्लिष्टक २ स्वाहा ॥ श्रीवाहनादिगजमडा ॥ ४ ॥ जय  
 जय ॥ श्रीसिद्धिनामस्तु येवल्लिष्टक २ स्वाहा ॥ श्रीवाहनादिगजमडा ॥ ४ ॥ जय  
 श्रीसिद्धिनामस्तु येवल्लिष्टक २ स्वाहा ॥ श्रीवाहनादिगजमडा ॥ ४ ॥ जय  
 श्रीसिद्धिनामस्तु येवल्लिष्टक २ स्वाहा ॥ श्रीवाहनादिगजमडा ॥ ४ ॥ जय

श्रीसिद्धिनामस्तु येवल्लिष्टक २ स्वाहा ॥ श्रीवाहनादिगजमडा ॥ ४ ॥ जय







वट कनाथ ययायूज ॥ श्रीन ॥ नैजमूय वृष्टासनेद वेशुजा झ झु जव  
 कुंके ॥ गि नरुं वन तुलुके मूला रु वृष्टा वरुं ॥ ना गय रू यवी नरु  
 सर्व इति न नागनी ॥ एवी वि श्री रु वं यथ मूनाथ महा मन ॥ श्रीन वृष्टा य  
 वृज ॥ नैजमू गी गू ग ॥ श्री श्री कूल ग ॥ यथ ययायूज ॥ एवी वलिं गृ दै रखा  
 ला ॥ श्री वरु नादि ग ॥ मूजा ॥ ॥ वृति लिखि वयू न वि वि ॥ ॥  
 त गति शुद्धि यूजनी ॥ नैज वा द्वासना ययायूज ॥ नैज वृष्टा वृष्टा सान न्य द  
 वयायूज ॥ नैज श्री वन म गृष्टा वरुं न न्य द वयायूज ॥ नैज श्री वन म न न्य  
 ॥ श्री गायत्री गीति शु कालिय गृष्टा वरुं स्व गृष्टा वरुं ना मी ना यो ॥ श्री रु क वरुं वन नरु यथ नादि  
 यथ नैजमू गी गू ग ॥ श्री श्री कूल ग ॥ यथ ययायूज ॥ एवी वलिं गृ दै रखा

श्री गायत्री गीति शु कालिय गृष्टा वरुं स्व गृष्टा वरुं ना मी ना यो ॥ श्री रु क वरुं वन नरु यथ नादि  
 यथ नैजमू गी गू ग ॥ श्री श्री कूल ग ॥ यथ ययायूज ॥ एवी वलिं गृ दै रखा

गृष्टा मिशान न्य द वयायूज ॥ नैज श्री गीति शुद्धि रु दान काय यायूज ॥ नैज  
 वलिं गृ दै रखा ला ॥ श्री वरु नादि ग ॥ मूजा ॥ ॥ वृति लिखि शुद्धि यूज न वि  
 वि ॥ च ॥ श्री ॥ तमा उम म तुलुके यूज ॥ नवा मा न्या स ॥ नैज श्री गृष्टा यरु  
 द्वायूज ॥ नैज श्री गृष्टा यथायायूज ॥ नैज श्री गृष्टा निर्या यायूज ॥ नैज  
 त्वं मथ मा र्या यायूज ॥ नैज श्री गृष्टा नामिका र्या यायूज ॥ नैज उं के नि र्या र्या  
 यायूज ॥ नैज श्री गृष्टा क वरु लाय यायूज ॥ क वरु न्या स ॥ नैज श्री गृष्टा दया  
 यन म र्या यायूज ॥ नैज श्री गृष्टा निर स र्या ला ॥ नैज श्री गृष्टा निर्या र्या वट ॥ ॥ नैज



वें कवचाई ॥ नैंजडं नगायवषट् ॥ नैंजडं जम्रायवषट् ॥ जम्रायवषट् ॥ नैंजडं हं  
 लिवासाभवायूज ॥ नैंजडं सैजिब्रह्मभवायूज ॥ नैंजडं सैजिब्रह्मभवायूज ॥ नैंजडं सैजिब्रह्मभवायूज ॥ नैंजडं सैजिब्रह्मभवायूज ॥  
 कायवायूज ॥ नैंजडं लंद दयायवायूज ॥ नैंजडं वें नारीवायूज ॥ नैंजडं वें गुह्यवायूज ॥  
 नैंजडं यें जानूयायवायूज ॥ नैंजडं उं याद दयायवायूज ॥ नैंजडं नारायण न्यास ॥ ज  
 धवकादाव ॥ नैंजडं गुमववदष्टं वृत्तवधितिये गी वाधुवा संयुग संवाधु  
 वाधुकादाव ॥ नैंजडं ललितदिशि गरीहा लमाला समर्त ॥ नैंजडं कस्या कम ॥  
 गरुवगवर्णद वेनेदा नमूयं स्वक नैह न वा र्थी गि शुव न नमि न नी

त्रिकावस्य च २

म २

मिक्कुयुगल ॥ नैंजडं नैंजडं महापूजा गुनमलुल श्री  
 वि कायवायूज ॥ मध्यम ॥ नैंजडं नैंजडं महापूजा गुनमलुल श्री  
 वायूज ॥ त्रिकाव दक्षिण ॥ नैंजडं नैंजडं महापूजा गुनमलुल श्री  
 पूजा ॥ त्रिकाव वाम ॥ नैंजडं नैंजडं महापूजा गुनमलुल श्री  
 कोलाव ॥ नैंजडं नैंजडं महापूजा गुनमलुल श्री  
 वयश्चिम ॥ नैंजडं नैंजडं महापूजा गुनमलुल श्री  
 वाधुमलुल ॥ नैंजडं नैंजडं महापूजा गुनमलुल श्री



॥ ३ ॥

[illegible]











संख्या ३ वरुण मारुत ० न वासा च न वासा

धीवमिमज्जामायधीतुममलुलदेवेत्तनीविमिहसमायुक्ता ॥  
॥ नगाकर्मचन ॥ आसनादिन्यासकावय ॥ नंदीधीक्षु श्रीं डी  
कीं डीं डीं डीं ४ वक्रमधुलवजनी प्रमाय महाधायग मधवि  
गुह्य ॥ वय २ दंड टू डीं वजासन दंड वायु ॥ श्रीं मी सनी ॥ वंज श्रीं  
श्रीं मारुतु मधुल ॥ वनीगजविनी दंड टू डीं वायु ॥ आकाश  
यथैरुयन ॥ ॥ नगायासा न्यासक ॥ नगा न्यासैयक ॥ ग  
कमधुजाधनिक मा ॥ यैविनातरुवासा द्विकुसमादमादिवयवा  
कुंजीं डीं ३

वनीसीदादगाआर्य वज्रं मा लती तथा ॥ नृवागिगिविद्याच धा  
विकाष्टकमवय ॥ वज्रनी वत वज्रर्य यन्मिमाका नी तथा ॥ अथ  
नामुनवान्माहित ४ पूजा समवय ॥ ॥ नगावनी गी न्यास ॥  
नंजकिलिश्चिविकेक नायक ४ जनाय रुट ॥ लारुय ॥ वंज डीं डीं  
ट वक्र वज्र लारु ॥ वजी कवर्ण ॥ वंज वल मकुल क लम वल  
नंज डीं डीं ॥ दगावा वन्यन ॥ नंजकिलिश्चिविकेक नायक ४ जना  
यरुट ॥ नंज नमारुगवति हतकम लार्थे जी श्री अउष्टा र्या वाक् ॥



नैज कुं कुं कृदिकार्ये कलदीयाये जौ श्री नरु नी वा वूज ॥ नैज जौ कुं कुं  
 वव्वन जिखे कुं मथमाया वा वूज ॥ नैज धाव जू धाव धाव नाम मुखिवरु  
 वूयाये कुं श्री जू नामिकाया वा वूज ॥ नैज जौ कुं कुं मरु काविकाये जौ क  
 निष्ठाया वा वूज ॥ नैज किछि रविचका क नाय ५४ अमय रुट ॥ नैज  
 नमारुग वनि उद्ववकाय वा वूज ॥ नैज कुं कुं कृदिकार्ये वूविकाय वा वूज ॥  
 नैज जौ कुं कुं दक्षिण वकाय वा वूज ॥ नैज धाव जू धाव जू धाव नाम  
 खिडक वकाय वा वूज ॥ नैज जौ कुं कुं मरु काविकाये पश्चिम वका

X व ३

य वा वूज ॥ नैज किछि रविचका क नाये व वा व व वकाय वा वूज ॥ नैज  
 नमारुग वनि हत कमलाये जौ कुं कुं रुदया य वा वूज ॥ नैज कुं कुं कृदिक  
 कार्ये कलदीयाये जौ श्री निरस सारु ॥ नैज जौ कुं कुं वव्वन जि  
 खे कुं श्री निखाये व वट वा वूज ॥ नैज धाव जू धाव जू धाव नाम मुखि  
 वरु वूयाये कुं श्री कव वाय कुं वा वूज ॥ नैज जौ कुं कुं मरु काविका  
 ये जौ श्री नरु नी वा य वा वूज ॥ नैज किछि रविचका क नाय ५४ अ  
 मय रुट ॥ ६० निवती नी या स ४ ॥ ॥ न ना वा द ग म स ४ ॥



नं० १ सिद्धार्थ वाद दय या इ कां ॥ या ० नी तु नी ॥  
नं० २ सोम द्वाथे जान दय वा यू ॥ या ० नी तु नी ॥  
नं० ३ हि विद्युताथे उ न दय वा यू ॥ या ० नी तु नी ॥  
नं० ४ लक्ष्मी गुच्छ वा इ कां ॥ ३३ स ॥  
नं० ५ दी काथे ना री वा यू ॥ ३३ स ॥  
नं० ६ मालिथे ह द या य वा यू ॥ नू ग व स ॥

नं० ७ निवाथे क ष्ठ वा यू ॥ क ष्ठ स ॥  
नं० ८ वसु म्वाथे मुख या यू ॥ स्वा व स ॥  
नं० ९ नासा म्वाथे नासा म्वाथे वा इ कां ॥ द्वा स म ॥  
नं० १० कटु काथे क ष्ठ दय वा यू ॥ द्वा स या ग स ॥  
नं० ११ रुविक ष्ठे नि रु व वा यू ॥ नि रु व स ॥  
नं० १२ म हा मा र्थे नि व स वा यू ॥ नि व स ॥  
नं० १३ र द्वा द ग म्वाथे ना स हा द्वा वि काथे वा यू ॥ व लि ग द्वा २  
वृष्य २



स्वाहा ॥ यदावाद्यनया गणायुक्तवर्णु समस्तत्रयं हयुक्तं  
 नेववीजं शुभं गत्या ध्यायन्निर्वाणं कुरु ॥ उद्धृतं यद्ययनं नैकं नवव्याद  
 णायुक्तं ॥ द्वादशैव नरुद्धं न ॥ उद्धृतं यद्ययनं नैकं नवव्याद  
 ष्च नविद्युतं स्यादयनं ॥ सर्वथा विविदि मूकान् उल्लोकादिमांशकं ॥  
 वेतिद्यादध्यासः ॥ नगः ॥ वज्रः ॥ न्यासः ॥ वेजः ॥ सर्वज्ञः  
 नायकः दयायनमः ॥ यावुज ॥  
 नैजः ॥ मालनी गिविना निमस स्वाहा यावुज ॥

ॐ नमो भगवते

स्वाहा

नैजः ॥ अवद वदति आनादिवाधये निद्रायेव वदयावुज ॥  
 नैजः ॥ वज्रनीवज्रधराय सत्तु कवचाय दूज ॥  
 नैजः ॥ ताम्बातिल्यजलकणकि सरुद्धं गिनतु वृथाय वा वदयावुज ॥  
 नैजः ॥ नमस्तु नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥  
 यत्र मुक्तं यदुद्धयावुज ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥  
 ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥  
 ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥ नैजः ॥

स्व ॥ यावुज ॥ ३

१ मित्रवा ॥



नं० १००० गन्धर्वसन्तोषद्विजिनामालायाम् वायुज ॥ कृष्णस  
 नं० १००० निवृत्त्याये पूर्वजिनामालायाम् वायुज ॥ कपोतस  
 नं० १००० युतिहाये दक्षिणजिनामालायाम् वायुज ॥ अवक्रकस ॥  
 नं० १००० विद्याये उत्तरजिनामालायाम् वायुज ॥ खवक्रकस ॥  
 नं० १००० शान्तिवर्षिमेजिनामालायाम् वायुज ॥ मिलिखास ॥  
 नं० १००० सामुद्रिके तृतीये नरवायुज ॥ मिखाससायदस ॥  
 नं० १००० धर्मविषयदशमो नरदयवायुज ॥ मिखास ॥ निवृत्तस ॥

नं० १००० नावायुन्ये कर्णद्वयवायुज ॥ कर्णनीगुवी ॥  
 नं० १००० माद्वये दक्षिणकर्णद्वये वायुज ॥ अवक्रसथान ॥  
 नं० १००० पुष्पायै वामकर्णद्वये वायुज ॥ खवक्रसथान ॥  
 नं० १००० उद्भवायै नासायुटद्वयवायुज ॥ कासस ॥  
 नं० १००० वज्रिष्वे वक्रवायुज ॥ स्वावस ॥  
 नं० १००० कटायै उद्भवायुज ॥ खवक्रस ॥  
 नं० १००० रवे कालिकायै उद्भवायुज ॥ थवक्रस ॥  
 कास ॥



नं० १ गं निवाये जूष्वाद्यनयको वायूज ॥ ~~कथं~~ ~~कथं~~ ~~कथं~~ ॥ काथ ॥ वा  
 नं० २ वं धावाये उद्धृष्टि वायूज ॥ थं थूकं तुमि ॥  
 नं० ३ टं वीवाये जूष्वाद्यनयको वायूज ॥ काथ ॥  
 नं० ४ ठी मायाये जिह्वायां वायूज ॥ मं ॥  
 नं० ५ जं वागम्बरी वावायां वायूज ॥ मवा ॥  
 नं० ६ वं निखिवाहनी कंठे वायूज ॥ कथं स ॥  
 नं० ७ रं लिखनी दन्ति एवाक निखिवायायूज ॥ जववाहं वं ॥

६३  
 नं० ८ यं वायूवंगमय वामवाक निखिवायायूज ॥ खववाहाव ॥  
 नं० ९ उं वामाये दन्ति एवाक दंठु वायूज ॥ जवउं दं स ॥ बाहं न ॥  
 नं० १० टं विनायकाय वामवाकंठु वायूज ॥ खवउं दं स ॥ बाहं ग ॥  
 नं० ११ ठं ० पूरुमाये कलदय वायूज ॥ बाव हात ॥  
 नं० १२ रं काविणी दन्ति एव कलकुली वायूज ॥ जवलाहाइ काय ॥  
 नं० १३ वं कं वनी वामरु कलकुली वायूज ॥ खववाहाइ काय ॥  
 नं० १४ वं दीवती मूलदंठु वायूज ॥ जिगुवाण ॥



नंजं जयं यथैदं किं हं रुक्म वायूज ॥ कवइ वास ॥  
नंजं कया लिनी कया लवाम रुक्म वायूज ॥ खवदूना ॥  
नंजं वं पावनी हदि मंथे वायूज ॥ नैनवव ॥  
नंजं हं जून्विकाथे पाणि धारवायूज ॥ शयाकास ॥  
नंजं ससित्री मथैदं किं वया र्धे वायूज ॥ वकास जवस ॥  
नंजं नं नकाथे वाम वा र्धे वायूज ॥ ववकास ॥  
नंजं नं नकाथे दकिं हं रुक्म न वायूज ॥ कवइइ ॥

नंजं नं पूगनाथे वाम रुक्म न वायूज ॥ कवइइस ॥  
नंजं नं जूमायाथे यथा दथ वायूज ॥ इइति मुनी ॥  
नंजं नं लंवा कवीड दथ वायूज ॥ वानस ॥  
नंजं नं सहा वधी नारि मंथे वायूज ॥ नरुस ॥  
नंजं नं मरु काली निरी वयायूज ॥ उअस ॥  
नंजं नं कसुमालनी उअ वायूज ॥ लिंगस ॥  
नंजं नं मुकादवी मुक वायूज ॥ वरवया ॥



नैजं नै नानादवीडवृद्धयवापूज ॥ स्ववससिगुनी ॥  
 नैजं नै ज्ञानाथेदकिं लज्जा नो वापूज ॥ जवखन ॥  
 नैजं नै क्रियाथेवामज्जा नो वापूज ॥ स्ववखन ॥  
 नैजं नै मयगिदकिं लज्जा नो वापूज ॥ जवकुकुस ॥  
 नैजं नै सावित्रीवामज्जा नो वापूज ॥ स्ववकुकुस ॥  
 नैजं नै दहती कलिवाद यापूज ॥ जववा ॥  
 नैजं नै हंका नीवामवाद यापूज ॥ स्वववा ॥

कर

नैजं नै रुद्रयादि यण्ड न्यासयादि ॥ नैजं नै मालतीनैजं  
 नैजं नै सवर्णद्वीपापूज ॥ नैजं नै वलिगुनी २ नैजं नै चाह ॥  
 यथावक्ति ४ समरुत ४ सूक्तका ४ नैजं नै दहती ४ नैजं नै सर्वाधिया  
 वालिमालती दहती रुद्रात ॥ नैजं नै मालती न्यास ४ ॥ नैजं नै ४  
 गवुवागी न्यास ४ नैजं नै धीकधुललाट यापूज ॥ नानिकास ॥  
 नैजं नै जूकमधुलवकु यापूज ॥ स्ववस ॥  
 नैजं नै सुश्रीगदकिं लज्जा नो वापूज ॥ जवमिखास ॥

रुद्र दान काय



नं जं गीतिमूर्तिवामनगुह्यायूज ॥ खवमिखास ॥  
नं जं डं अमविमदक्षिणकलेवायूज ॥ जवक्रसथातस ॥  
नं जं डं जूधीसवामकलेवायूज ॥ खवक्रसथानस ॥  
नं जं गीतिथीमदक्षिणनासायूज ॥ जवक्रसथान ॥  
नं जं डं रानरुहीवामनासायूज ॥ खवक्रसथान ॥  
नं जं डं धानदक्षिणगलेवायूज ॥ जवदतान ॥  
नं जं डं हनवामगलेवायूज ॥ खवदतान ॥

नं जं नं डीगज्जमेदगतयुकोयायूज ॥ थथवास ॥  
नं जं नं डीगज्जमेदगतयुकोयायूज ॥ काथवा ॥  
नं जं डं सडाजा नज्जमेदयायूज ॥ काथक्रथसि ॥  
नं जं डं जूनीगडीगडवाहयायूज ॥ थथक्रथसि ॥  
नं जं डं कुनसनतालूमधयायूज ॥ थका ॥ विन्दुदय ॥  
नं जं डं ४महासनजिह्वायायूज ॥ भग ॥  
नं जं डं कंकावदक्षिणकलेवायूज ॥ जवथाहान ॥



नं० १ वरुणदक्षिणवाक्यदक्षुवायूज॥ नकदल॥  
 नं० २ वरुणदक्षिणहस्तमतिवर्धवायूज॥ जवकाशना॥  
 नं० ३ मितवदक्षिणहस्तवायूज॥ जववाहन॥  
 नं० ४ एकनडदक्षिणहस्तकलाकुलीवायूज॥ वविंवा॥  
 नं० ५ कूर्मवामस्तोत्रवायूज॥ खववाहन॥  
 नं० ६ एकनडवामवाक्यदक्षुवायूज॥ नकदल॥  
 नं० ७ वरुणवामहस्तमतिवर्धवायूज॥ खवकाशना॥

नं० ८ अङ्गवामहस्तवायूज॥ खवदवास॥  
 नं० ९ मूर्च्छावामहस्तकलाकुलीवायूज॥ वविंवा॥  
 नं० १० सामध्वजदक्षिणहस्तवायूज॥ जवकजन॥  
 नं० ११ लगलीगदक्षिणहस्तवायूज॥ जवरवन॥  
 नं० १२ टावुदक्षिणहस्तवायूज॥ जववा०॥  
 नं० १३ अर्धनालीगदक्षिणहस्तवायूज॥ जवकुकु॥  
 नं० १४ उमाकाकदक्षिणवाक्यदक्षुवायूज॥ जववा०॥



नं जं गंगा गंगामयी च या पूजा ॥ स्ववक्त्रका ॥  
नं जं थं दिवि वीमा नो या पूजा ॥ स्ववक्त्रका ॥  
नं जं दं धनी गंगामयी च या पूजा ॥ स्ववक्त्रका ॥  
नं जं थं मीन वामकं धार्या या पूजा ॥ स्ववक्त्रका ॥  
नं जं नं मय वाम वीं दं या द या पूजा ॥ स्ववक्त्रका ॥  
नं जं थं लाहिन दशि गया र्ध या पूजा ॥ जवक्त्रका ॥  
नं जं रं लिखि वाम य र्ध या पूजा ॥ स्ववक्त्रका ॥

नं जं वं दुर्गालु पृष्ठ मध्या पूजा ॥ स्वयाट ॥  
नं जं रं दिवतु नारिम धे वा पूजा ॥ नरु ॥  
नं जं मं मरु काल ददि मध्या पूजा ॥ रुदय ॥  
नं जं थं वाली सख विम ध्या पूजा ॥ विगया वास ॥ कुरुनि  
नं जं नं रुज रु वक वा पूजा ॥ विगया वा न स ॥  
नं जं लं पिना की मसि वा पूजा ॥ थ न वास ॥ ~~य~~  
नं जं वं स्वप्नी गन्नायू मध्या पूजा ॥ कथुस ॥







वायुयुक्ता (वत्सावाहनादि २)

रुद्रजुषमार्थमुक्त्वा पूज ॥ युञ्ज ॥ <sup>सु२</sup> जैसैरि विद्याया सरुद्रा वि  
कार्यविलिख्ये २ स्वाहा ॥ ॥ <sup>सु२</sup> वंश्वात्वा विद्याया सर्वया ययमा

वनी ॥ ॥ निविद्याया स ॥ ॥ नमाथा वि काय कया सथा

वैजं जैसैरि जयान्तीं जयानाय निवस वायु ॥ निवस ॥

वैजं जैसैरि मध्यान्तीं जयानाय वकु मधुल वायु ॥ जयानस ॥

वैजं जैसैरि नवयुगं जयानाय यदु दयाय वायु ॥ दयस ॥

वैजं जैसैरि नामस्वितीं जयानाय नास्ती वायु ॥ नरुस ॥

जै २ स्त्री

जै २ स्त्री

उक्ते

उक्ते

वैजं जैसैरि रुद्रहिमं जैसैरि जयानाय दक्षिण रुद्र वायु ॥ जैसैरि ॥

वैजं जैसैरि रुद्रहिमं जैसैरि जयानाय दक्षिण रुद्र वायु ॥ खवनाहाग ॥

वैजं जैसैरि रुद्रहिमं जैसैरि जयानाय दक्षिण रुद्र वायु ॥ जयानस ॥

वैजं जैसैरि रुद्रहिमं जैसैरि जयानाय दक्षिण रुद्र वायु ॥ खवनाहाग ॥

वैजं जैसैरि रुद्रहिमं जैसैरि जयानाय दक्षिण रुद्र वायु ॥ ॥

आत्माथा वायु कंतिर्यं ययुषाग कनागनी ॥ नकि सिद्धि कवै नित्य

यहाय सानव ॥ सर्वथा वा ॥ ययुषाग कनागनी ॥ नकि सिद्धि कवै नित्य















जें जें वक्षयति वक्षस्तथा पूज ॥ नारिजगत्स ॥  
 जें जें सूर्ययति नाहो (मो) वा पूज ॥ नारिस ॥  
 जें जें सोमयति वृक्षे वा पूज ॥ स्वायानस ॥  
 जें जें पाथयति उदयवा पूज ॥ द्वागस ॥  
 जें जें जीवयति रुदयाय वा पूज ॥ रुदयस ॥  
 जें जें विष्णुयति कलषे वा पूज ॥ कलषस ॥  
 जें जें बुधयति गालमं (म) वा पूज ॥ धंकास ॥

वर  
 नमो ॐ ४ वी श्वमयस्त्रिजिनस्त्रानवायूज ॥ जिनस ॥  
 नमो ॐ ४ सदान्तिगिष्टि मूर्द्धिस्त्रानवायूज ॥ वसथानस ॥  
 नमो ॐ ४ यष्टि न्यासरुष्टानकायमर्लिष्टक २ स्वाहा ॥ ॥ ३ द  
 यार्क निरुष्टि यद्यमानां सुग ३ मा ॥ स्त्रानवैस्त्रानगर्गिष्टान  
 यष्टिष्टानदीष्टिर्ग ॥ जूननयष्टि न्यासन जूननवर्ग्युसा यथ ३  
 वाचासिद्धि ४ यूनकारु मास्त्रानिवावजायन ॥ ॥ ३ निष्टिष्टिष्टि ४ ॥  
 नमो ॐ ४ कास्त्रानिष्टिष्टि ४ ॥ नमो ॐ ४ कास्त्रानिष्टिष्टि ४ ॥ ॥ ३ द











नीवाटूलण्डूहासास्त्रयपायूज॥**वे**ंजघीसकानन्ददवअदूहास  
 स्त्रयपायूज॥**वे**ंजघीआनन्ददवअदूहासास्त्रयपायूज॥**वे**ंज  
 वेंजसकजानन्ददवअदूहासास्त्रयपायूज॥**वे**ंज  
 ददवअदूहासास्त्रयपायूज॥**वे**ंजघीवनसानन्ददवअदू  
 हासास्त्रयपायूज॥**वे**ंजघीदवानन्ददवअदूहासास्त्रयपा  
 यूज॥**वे**ंजघीयवजानन्ददवअदूहासास्त्रयपायूज॥**वे**ंजघी  
 जवजानन्ददवअदूहासास्त्रयपायूज॥**वे**ंजघीअवजानन्द

लघनगर अञ्जलि सक्तनस

अ५

दवअदूहासास्त्रयपायूज॥**वे**ंजहंरमानन्दगकिरेनवानन्द  
 विवाविपनयसं८पायूज॥**वे**ंजवर्वलिष्टकै२स्वाहा॥**वे**ंजहं  
 न्नायपायूज॥**वे**ंजअधारेअमाद्यवनदवीमत्रघीअवुक्ताय  
 णीविष्टपायूज॥**वे**ंजवृषासंन्नायपायूज॥**अधामिधाय्यादि॥**  
**वे**ंजमयूनाम्नायपायूज॥**अधारेअमाद्यत्यादि॥****वे**ंजगवृजान्ना  
 यपायूज॥**अधारेअमाद्यत्यादि॥****वे**ंजमहिषाम्नायपायूज॥  
**अधारेअमाद्यत्यादि॥****वे**ंजगजान्नायपायूज॥**अधारेअ**







यत्कृतं विष्कृतं न मीमांस्य सर्वोदस्य तत्कायाः मरुतयः पलितुदियः  
 न कान्त तदुच्छातवलि सते ॥ ॥ धनं वर्यं ॥ नमो कृतं नतवो  
 रुद्राणां विन्ध्यनागपुच्छकावथ ॥ ॥ देवः सावित्रिकुमा  
 द्रः सुखाविमिति मधुर्लं । तमस्तुतुवर्हिर्लं नमस्तुतुवर्हिर्लं ॥ न  
 मस्तुतुवर्हिर्लं तमस्तुतुवर्हिर्लं । प्रष्टुष्टुवर्हिर्लं तमस्तुतुवर्हिर्लं  
 नीनां तथैवव ॥ रुद्राणां लम्पदीनां सगदी न सर्वकेशकाशक  
 लवकुमिर्लं सर्वमिका कालं नमान्यहं ॥ ॥ रुद्राणां लम्पदीनां सगदी न सर्वकेशकाशक  
 वावावा मायः वावावा नमस्तुतुवर्हिर्लं नमस्तुतुवर्हिर्लं नमस्तुतुवर्हिर्लं



वैष्णवाक्षनादि ॥ १॥

१ कामनाय समय सकुन मन्त्राय

वसुधैव कुटुम्बकम् नमः श्रीगणेशाय नमः ॥ नमः श्रीनाथाय ॥ नमः श्रीसि  
द्धिनाथाय ॥ नमः श्रीकृष्णनाथाय ॥ स्त्रीकावद्वय ॥ पूर्ववद्विन्दु  
गुणवद्वय ॥ ॐ नमो भगवते विधिना ॥ पूर्ववत्सकृदा जलौघिवाणवृजने ॥ आ  
मयूजनेत्यादि ॥ निर्विघ्नमस्तु ॥ ॥ नमो गुणवद्विन्दुवृजने ॥ वैष्ण  
वनाम्नाय वा पूजा ॥ वैष्णवगुणनाय वा पूजा ॥ वैष्णवकृष्णनाय वा पूजा ॥  
आन ॥ वैष्णवशुक्लाकुल्लिगदिवी दुर्गा मयूजनाय ॥ गुणमूर्तिस्त्रिग  
दव गुणवद्विन्दुवृजने ॥ आनपूजनाय वा पूजा ॥ वैष्णवश्रीगणेशना  
मो ॥ वैष्णवश्रीगणेशनामो ॥

नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥  
गर्भमूकानन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥  
वैष्णवश्रीगणेशनामो ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥  
वा पूजा ॥ वैष्णवश्रीगणेशनामो ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥  
आनन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥  
नामो ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥  
वैष्णवश्रीगणेशनामो ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥ नन्दवज्रविनाम्नाय वा पूजा ॥







दयतीयायुज ॥ जेज संदे श्रीओ वधीक मरुहा नि कार्ये वीं युज ॥ जेज  
 भाहनी साधने ॥ ॐ ई वलिहृ कृ २ स्वाहा ॥ आवाहना दिथानिमडाद  
 नय ॥ ॥ ॐ मिडी वधीयुज न विविष ॥ ॥ ततः श्रीकृ  
 युजने ॥ जेज अष्टा माययायुज ॥ जेज सिंहा माययायुज ॥ ध्यान ॥  
 जेज अष्टा सिंहा मय द वै हि म कृ न्य न्य स निरुं । एकवर्क विनरी कुदि  
 यवृथमहोदल ॥ बहुर्जं मह साने मिष्टुला रा कृ धावर्ग । दया  
 क रानूजालि म कया ले पुरुषा उष्टक । देवा धुर्वी कष्टतां स

यारुफ पूषावर्ग । वामावर्ग गतादवी ग्यामाऊ न वथोवती । ववा  
 रुयक वादवी विनगादिशु वृषिधी ॥ दिह वत्ता अहवा झी दिथव  
 मुं य ॥ अहिता ॥ ॐ ई वत्ता म हाद वै श्री कर्ण वव भध्वन ॥ ध्यान पूषा  
 यायुज ॥ जेज हं दे जा न त्त ग कि हं ववा न न्य विना विव तथ संदे श्री  
 कर्ण नाथाय स्व ग कि सहिता ययायुज ॥ ॐ ई वलिहृ कृ २ स्वा  
 हा ॥ आवाहना दिमी गूलथा मी मडा ॥ ॐ मिडी कृष्टु न विविष ॥  
 ॥ ॥ ततः साह गदीयुजने ॥ जेज हं सा माययायुज ॥ जेज अष्टावर्ग  
 ॐ ई वत्ता म हाद वै श्री कर्ण वव भध्वन ॥ ध्यान पूषा















नित्य गाम्नाय वायूज ॥ त्रैलोक्यी च नृवी नयानि नीत्या वायूज ॥ त्रैलोक्यी  
 यवदीपवा लेखनी महारुद्र रूपा ला (श्री) श्रीकृष्णयूग (म) श्रीडाडि  
 या नमस्तु मन्त्राय विष्णुडाडि या न्नाय श्रीडाडि गनीधयव श्रीवका  
 न्नाय श्रीआधारी ज्ञाननयव श्रीकृष्णकविमहाकावि वृक्ष श्रीकदम्बर  
 रूपाडि दयनिवीयवर्त श्रीवट्ट कनाथ रूपा लायवृक्ष श्रीकृष्णकान  
 न्नायव वायूज ॥ त्रैलोक्यी मन्त्र ॥ १ ॥ त्रैलोक्यी वन्द्यदीपरी मन्त्रा  
 देवी श्रीसूत्रा विरुपा ला (श्री) श्रीनिनायूग (म) श्रीजालीधुममहामंजरी

शुभ

मन्त्र

नैऋत्य कोणा ॥ ३

यी (०) श्रीजालान्नाय देवी श्रीजाली मन्त्राथयव श्रीकलो लान्नाय देवी  
 श्रीकृष्णलीगी ज्ञाननयव श्रीकृष्णकवी महाराकावि वृक्ष श्रीश्रीवृक्षरु  
 मनि विरुष्वर्त श्रीयमदधु रूपा लायि वृक्ष श्रीकृष्णकान न्नायव वा  
 यूज ॥ त्रैलोक्यी मन्त्र ॥ २ ॥ त्रैलोक्यी ज्ञानदीपकलनी देवी श्री (म)  
 याव रूपा ला ली श्रीदायवयूग (म) श्रीपूष्णिनि विमहामन्त्राय यी (०)  
 श्रीपूष्णिन्नाय देवी श्रीपूष्णिनि नाथयव श्रीवल्गु शान्नाय देवी श्रीवकी  
 साननयव श्रीकृष्णकविमहाकावि वृक्ष श्रीविष्णिनी वृक्ष अनजि



नौ  
को

विपर्वणः श्रीविमलकण्ठयालवृष्यश्रीकृदिकान्तन्यदववायूज ॥ ३ ॥  
 श्रीकलियुगेश्रीका मवृष्यनकागमवी ॥ १० ॥ श्रीकामविद्यामहादवीश्री  
 कामीगनाथदवशीमहादेव्यादवीमतदीशमतन्यदवशीकृकात्रिम  
 हाकात्रिवृकश्रीविल्ववृकश्रीसामनिविपर्वणः श्रीवज्रदधुश्रया  
 लवृयातीनश्रीकृदिकान्तन्यदववायूज ॥ ३ ॥ ठिकाणपूर्व ॥ ९ ॥  
 महावत्तदीवधमादिवीश्रीमहाकायेश्रयालपूर्व ॥ अवनारयूग

५

श्रीमहाववासावत्तदी ॥ १० ॥ श्रीवन्दिनामहादवीश्रीवन्दिगनाथदवशी  
 मतंगीशान्नादवीश्रीमतन्निमतन्यदवशीकृकात्रिमहाकात्रिवृक  
 श्रीवांजनिवृकश्रीश्रुतवलीमवृष्यवर्णः श्रीविजयनाथश्रयाल  
 सर्ववायीहृश्रीसात्यातीनश्रीकृदिकान्तन्यदववायूज ॥ ३ ॥ ठिकाण  
 श्रिम ॥ ८ ॥ म ॥ ठिकाणयाकंवीठवश्रुकीयूजनविवि ॥ ८ ॥  
 मतः ॥ ८ ॥ ठिकाणयाकंवीठवश्रुकीयूजनविवि ॥ ८ ॥  
 स ॥ १ ॥ ॥ ॥ श्रीगेलपीठश्रीवर्षवायेयायूज ॥ नमः ॥ २ ॥ ॥ श्री

यशिसाश्रित ३



दि० २० २

महद्ययी० महाकाविकार्यवायूज॥ वायुय॥ ३॥ नं० श्रीकलायायी०  
कामलार्थवायूज॥ पूर्व॥ ७॥ वृत्तिवार्यवायूज॥ वृत्तिवायूजने  
विधिषः॥ १॥ नं० श्रीग्रादिविमलधीमर्तमर्थवायूज॥ २॥ नं० श्री  
सर्वविमलयूलिन्यार्थवायूज॥ ३॥ नं० श्रीगविमले श्रीसर्वबायवा  
यूज॥ ४॥ नं० श्रीसिद्धिविमलग्रावीयवायूज॥ ५॥ नं० श्रीसम  
यविमलेश्रीकविकार्यवायूज॥ ६॥ वृत्तिवायूज॥ वृत्तिवायूजने  
यूजनविधिषः॥ ७॥ नं० श्रीमहाकाविकार्यवायूज॥ नं० श्रीकलाधरा

उक्तं ३

सिंहा नाहा मृ (३) ॥

五

[illegible]











• स्रका<sup>का</sup>गपूहकादि वामद्वंद्ववृजतः ।

जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ ११ ॥ जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ १२ ॥  
१२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ १४ ॥  
जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ १५ ॥ जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ १६ ॥  
जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ १७ ॥ जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ १८ ॥  
जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ १९ ॥ जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ २० ॥  
जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ २१ ॥ जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ २२ ॥  
जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ २३ ॥ जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ २४ ॥  
जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ २५ ॥ जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ २६ ॥  
जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ २७ ॥ जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ २८ ॥  
जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ २९ ॥ जय श्रीगुरुदेवाय पूज ॥ ३० ॥

[illegible]







नायवकुययायूज ॥ ॐ नित्यवकुयूजन ॥ १ ॥ गत ४ पठ  
अनयूजा ॥ ॐ अं जा ह द या दि ४ वृ उ ल ग यू ज न वि वि ४ ॥ ॥ गता  
५ ॥ अ ह य ग यू ज न ॥ ॐ अं जी अ ग वे म ४ धी न नार य या ग ज्ञा दा सं व  
क्रा ॥ अ स व म म ली य वे ॥ ॐ अ यि ॐ न्दी क क वि का यि अ न रु न वा य  
यायूज ॥ १ ॥ ॐ अं वा मि ४ क व र्ज ४ धी म स्व वा ला न ग्था ॐ ला य मा रु  
ग्व वी च त्रि का यि ॥ ॐ अं वि नो जा ॥ अ य क वि का यि ॐ न्दी क रे न  
वा य वायूज ॥ २ नं ग्या ॥ ५ ४ व व र्ज ४ धी क ॥ ४ का ला य न ह  
अ ॥ ॐ न अ य क ४ व र्ज ४ धी म स्व वा ला न ग्था ॐ ला य मा रु

होयेकोमाथेयाम्भयेकवर्दिनोयाम्भकवि कायेउशरुनवा  
यवायूज ॥ ३ ॥ ॐ अं वा मि ४ क व र्ज ४ धी क वि अ ह द या म स यि वे  
वृ वी रु न सि द्ध व दि ॥ ॐ न म ल य क वि का यि म न रु न वा य वायूज  
॥ ४ ॥ ॐ अं वा मि ४ क व र्ज ४ धी न नार य या ग ज्ञा दा सं व  
रु हां ये ॥ ॐ अं वा मि ४ क व र्ज ४ धी क वि का यि ॐ न्दी क रे न वा य वायूज  
॥ ५ ॥ ॐ अं वा मि ४ क व र्ज ४ धी क वि अ ह द या म स यि वे  
य वी किलि ॥ ॐ किला ये न ज की नो वा य य क वि का यि न रु न



नवायवायुज ॥ ६ ॥ नैजं श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 लयिचामलुमथे कालमात्रे गीच्छिपिकिनेकोवमकुवि कायेडा  
 कुरु नवायवायुज ॥ १ ॥ नैजं श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 वीकोष्टज्जुयै मलालश्रीमीम ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 श्रीकृष्णकार्ये अंशुनवायवायुज ॥ ८ ॥ अष्टकटद्वयं आवमनमूडादगयि ॥ ९ ॥ निजुष्टवयवपूजा ॥  
 नगाजुष्टमपूजय ॥ नैजं गगनान्ददववायुज ॥ १ ॥

नैजं विष्णु

युक्तीदि मञ्जी नैजं म३

नैजं श्रीकृष्णानन्ददववायुज ॥ २ ॥ नैजं श्रीयन्मानन्ददव  
 वायुज ॥ ३ ॥ नैजं श्रीरत्नवानन्ददववायुज ॥ ४ ॥ नैजं श्रीध  
 वानन्ददववायुज ॥ ५ ॥ नैजं श्रीकैलानन्ददववायुज ॥ ६  
 ॥ नैजं श्रीनिवानन्ददववायुज ॥ ७ ॥ नैजं श्रीवामानन्ददववायुज ॥  
 ८ ॥ नैजं कृष्णानन्ददववायुज ॥ ९ ॥ नैजं ॥ अष्टकटद्वयं आवे  
 मतमूडादगयि ॥ १० ॥ निजुष्टमपूजनै ॥ ११ ॥ गगनपूजा  
 वयवपूजा ॥ नैजं श्रीमृथानन्ददववायुज ॥ १२ ॥ नैजं श्रीनिवा

५१

नवमाथ २







श्रीकृष्णाय नमः ॥ १ ॥ श्रीसिद्धाय  
 सिद्धाते नमः ॥ २ ॥ श्रीलक्ष्मीविमलानन्दाय नमः ॥ ३ ॥  
 श्रीकलसुन्दरीयै नमः ॥ ४ ॥ श्रीनकायै नमः ॥ ५ ॥  
 श्रीसात्मिकायै नमः ॥ ६ ॥ श्रीविमलायै नमः ॥ ७ ॥  
 श्रीकटिलाननायै नमः ॥ ८ ॥ श्रीवर्मायै नमः ॥ ९ ॥  
 श्रीलक्ष्मीयै नमः ॥ १० ॥

उक्तं श्रीमद्भागवते १० अ० १६

श्रीकृष्णाय नमः ॥ १ ॥ श्रीमन्महाकायै नमः ॥ २ ॥

श्रीमन्महाकायै नमः ॥ १ ॥ श्रीमन्महाकायै नमः ॥ २ ॥  
 श्रीमन्महाकायै नमः ॥ ३ ॥ श्रीमन्महाकायै नमः ॥ ४ ॥  
 श्रीमन्महाकायै नमः ॥ ५ ॥ श्रीमन्महाकायै नमः ॥ ६ ॥  
 श्रीमन्महाकायै नमः ॥ ७ ॥ श्रीमन्महाकायै नमः ॥ ८ ॥  
 श्रीमन्महाकायै नमः ॥ ९ ॥ श्रीमन्महाकायै नमः ॥ १० ॥

श्रीमद्भागवते



[illegible]

गौरी विमल ॥ २

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

卷二



चदादूदयायाचिकरभावुनविद्यदवावृत्तगमगानवगदवसि  
 गानवनीलाभनममयुग्माकृद्विचूयामरुदनीदप्रवकाद्यादग  
 बुजामयास्त्रिननवात्रेहमधुमालाधलाबोडीद्विद्वक्किलानकानना  
 अष्टादगमयकादवीवचवाद्यमिनानरु॥याद्यवमपविमानसि  
 रुचमोफवीयकदिथारुलनरुवाअीजयद्विदायादुसिनी॥गत्या  
 ४यीनश्लिबकैडकुलीग्यामसनिरीकदि८८कयुवकुश्रयन्मम  
 म्यायदगिगी॥युववकैरुवदकमीगंजीरुठिकायमे॥तदुमुतुयमी

मे २

म ५

कासिभृद्वकीयवाचिग॥चोनकूपववामचदकवकुश्रतिव्ययिना  
 सा८८वीचवृलीवगलद्विद्वकमान्मृ४॥गिलाविगचावलीयमजुव  
 कुववीथरु॥जलसायीचवाम८गयुवचिदकैककु८८॥यचवकुमृद्वद  
 ८गमद्वकयुजीवेपी॥सर्वदद्वकनालानिवकायकानिसिउना॥अरु  
 प्यत्या४युवग्यामिकृद्विकायामरुकिच॥ददि८८वयया८गनवामव  
 वविजामथ॥विगृलीवकवकागिअद्वग४गनकर्कुक॥ददि८८वाम  
 नादयानीलान्यलिसगावर्क॥अयश्रमधुवद्वज्जद्वधायुक्तकव

को ३



[illegible][illegible]







गीसिहासनवीरिणीरजययीरिङ्गायदुग्गसिदादुयसंदादुदिव  
 सिद्धिसमयवक्कायादकायूजयामिवालिङ्गुङ्गांरवाहा॥सिङ्गाडका  
 मर्कयाकिविक्तमर्कसंद्धदयाययादकायूजमिवलिङ्गुङ्गांरवाहा  
 ॥ ॥यश्चमहाभूजिदगंथ॥ ॥संनमश्चानाथाय॥  
 संनमश्चासिद्धिनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥ ॥ॐ  
 नमोभ्यमज्जन्नायज्जन्नायविश्वामित्रमात्रायूजनविधि॥ ॥

नमोभ्यमज्जन्नायूजनी॥नमोभ्यमज्जन्नाय॥संनमश्चानाथाय॥

उद्वेक्यायेयायूज॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥  
 तद्वेक्यायेयायूज॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥  
 उद्वेक्यायेयायूज॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥  
 नमोभ्यमज्जन्नाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥  
 तद्वेक्यायेयायूज॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥  
 यास्यलाक्ष्मणसुयसुयनिवर्तनीनामिकायायूज॥संनमश्चक्रजनाथाय॥  
 ॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥संनमश्चक्रजनाथाय॥



शार्ङ्गयायुज ॥ ॐ नितिक न न्याम ॥ ॥ नैज सस्त्रि वती श्रुदया  
ययायुज ॥ नैज उर्ध्व कशी श्रुति नम स्वाहा ॥ नैज कलित श्रुति व श्रुति  
स्वाथि व मट्ट यायुज ॥ नैज माया लो क्क वृय स रु स व वि व दिनी  
नी क व चां य दू यायुज ॥ नैज नान का कि न र र या य व मट्ट यायुज ॥  
नैज मा व लि श्रु सु य रुट ॥ ॐ निति नै ग न्या म ॥ ॥ नैज नै वे द्वा  
ली ल लाट यायुज ॥ नैज कं मा रु ध्व वी मू ख यायुज ॥ नैज कं को मा वी  
क ल्प यायुज ॥ नैज कं वी क वी द य यायुज ॥ नैज नं वा वी ही नु शी  
यायुज ॥ नैज वं वृ द्या य ही रु ध्व यायुज ॥ नैज यं व मू ल्ता यी ज

नू द य यायुज ॥ नैज स म हा ल न्त्री या द द य वी यै ॥ ॐ निति  
मा रु ग ग य रु न्या म ॥ ॥ नैज चामू ल्ता रु ल लाट यायु  
ज ॥ नैज उर्ध्व कशी रु क ल यायुज ॥ नैज कलित नै श्रुति यायुज  
॥ नैज वि द्वा डि क रु डि का यां यायुज ॥ नैज नान का कि न र रु द  
य यायुज ॥ नैज वि क ल रु व रु श्रु सु य रुट यायुज ॥ ॐ निति नि  
स्व रु न्या म ॥ ॥ श्रु य यु ज न ॥ आ व न रु क यी यायुज ॥ ॐ  
वा दि ॥ नैज व न्या म ना य यायुज ॥ नैज यु ना स ना य यायुज ॥ ॐ



नै॥ वैजगिखलुवगि वकुाव विथ वुया महा दना वि विक्ते यने  
 थूकाम दिना नद नदिगा ॥ पूर्वत ४ स्वत वलु रा हि म क न्द दूम  
 निरा ॥ द कि (ल) कृष्ण वलु ३ न क मूक न (म) रि गा ॥ यस नैव द  
 न सो म्यं कि विं द्र न मि नी रु ली ॥ दि वान त स जा द ल्य द लु क लु  
 ले दू य र्ण ॥ वि शूल क कि क ख ड्द कि (ल) व वि ना जि त ॥ इ य नै रु  
 ट कं का र्थ वा म रु स धृ ता यू धा ॥ य द्वा य ता से ना मू टा वि ख लु य व  
 म ध्व नी ॥ दि य व रु य नी धा ना दि या लं का न द वि ता ॥ ना ता यू धा

रुथे वर ३

वर्ष ३

वै व ना थ वी ना नी गे (न) धु मा दि ता वि वी क ३ म हा रा ग म मा  
 रु च क व व रु ति ता ॥ म थ ग म ३ रु ख लु व य न म धा नै मू क मी ॥  
 मू च ग स र्व का ये ३ वि य द्वा वि द ना ग नी ॥ धा न य र्थ वा यू ज ॥ अ न ॥  
 ग म ४ यू ज नै ॥ तै ज न मारु ग व ती नू द्वा थै ३ वा यू ज ॥ तै ज न मं ज्ञा  
 मू धु थै ३ वा यू ज ॥ तै ज न म ध्वा का ग मा रु ली ३ वा यू ज ॥ तै ज न  
 म ४ स र्व का मा र्थ सा ध का र्थ ३ वा यू ज ॥ तै ज नू द्वा म नी धी ३ वा  
 यू ज ॥ तै ज स र्व श य ति रु त ग ती र्थ ३ वा यू ज ॥ तै ज स्व नू य य न नू य



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ३

वनिवृत्तिनीर्धाय वायुः ॥ तं सर्वसत्त्ववशीकनं चोदनीड  
मूलनसमस्तकमववृत्तीर्धाय वायुः ॥ तं सर्वमाहृदय  
यनमसिद्धिकर्मकदनकरैर्धाय वायुः ॥ तं गन्तव्यकर्मसिद्धि  
करैर्धाय वायुः ॥ तं मातृतावचनधुरैर्धाय वायुः ॥ तं निरुद  
धुः ॥ तं मध्यायश्रमायवनदवीमलेशीर्धाय वायुः ॥ तं नमश्चामु  
धैर्धाय वायुः ॥ तं उद्वेकशीर्धाय वायुः ॥ तं कलितनिरवर्ध

वायुः ॥ तं विशुद्धिकैर्धाय वायुः ॥ तं तालकादिर्धाय वायुः ॥ तं  
विह्वलधुरैर्धाय वायुः ॥ तं विह्वलधुरैर्धाय वायुः ॥ तं कुह  
रैर्धाय वायुः ॥ तं सामान्यनिसूनासवप्रियैर्धाय वायुः ॥ तं हंस  
रैर्धाय वायुः ॥ तं वृत्तैर्धाय वायुः ॥ तं विह्वलधुरैर्धाय वायुः ॥  
तं मायार्णवीयैर्धाय वायुः ॥ तं विह्वलधुरैर्धाय वायुः ॥ तं  
तं नृपैर्धाय वायुः ॥ तं कर्तैर्धाय वायुः ॥ तं विनिर्धाय वायु  
ः ॥ तं विनिर्धाय वायुः ॥ तं विनिर्धाय वायुः ॥ तं विनिर्धाय वायु

३ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ३







व वा य द वा यू ज ॥ न ज इ स ४ क ॥ न ग ग य व व ट ॥ न ज र ॥ ज्य  
 ३ ४ न म्मा य रु द् ॥ ०० नि म्मा न न्या स ४ ॥ न ज ने ल लां ट यो  
 यू ज ॥ न ज ०० क ल वा यू ज ॥ न ज ड म्मा य व वा यू ज ॥ न जं गु ड्मा  
 यू ज ॥ न ज ड्मा य द द यो यो ज ॥ ०० नि वी ड य ड्मा क न्या स ॥  
 न ज नै द द यो यो यो य ॥ न ज क्मा नि न म्मा लो ह ॥ न ज धा  
 नि स्वा य व व ट ॥ न क व वा य द् ॥ न न ग य व व ट ॥  
 न अ म्मा य रु द् ॥ ०० वि य व व यो स ॥ न व व लीं गु ड्मा र ला ह ॥

न ज  
 ॥ अ य व का वान ॥ नै द्मा लाम म्मा क वी व वि यि न वृ न य म्मा न लो ह  
 ल य क्मा पृ थ्वी य यो न य व म्मा य ल क म लीं क ग नै द्मा धि का या ॥ न म  
 (धे वा य व व) नि व म ग नि स द न न ना दौ न ली ना अ यो क्मा मूल व  
 क ॥ न ग गु र स र स र स य दान क ली ॥ ॥ न ग ४ यू ज न ॥ नि ज  
 अ य व ग क्मा य यू ज ॥ नि ज अ क्मा य यो य यू ज ॥ नि ज क्मा य यो  
 यू ज ॥ नि ज ना ना य यो य यू ज ॥ नि ज य यो य यो य यू ज ॥ नि ज य यो य यो य  
 ज ॥ नि ज क्मा य यो य यू ज ॥ नि ज क्मा य यो य यू ज ॥ नि ज य यो य यो











आनन्दगङ्गाकिरुनवानन्दवीनाधियनय मन्त्रीयायूजा विजय मन्त्री  
 आनन्दगङ्गाकिरुनवानन्दवीमहाविद्याना उच्चनीरुद्वी  
 श्रीमूलकानरुहानकाययायूजा ॥ मधुसूत ॥ ३ ॥ ननदिका  
 लक्ष्मणयूजा ॥ विजय मन्त्रीमाया कलिकवि विद्यात्रक स्वनीश्रीयायूजा  
 ॥ वामगुण ॥ विजय मन्त्रीमाया कलिकवि विद्यात्रक स्वनीश्रीयायूजा  
 जयवायेनिर्वाणसूयवीदवीयायूजा ॥ दक्षिणगुण ॥ विजयत्रम  
 धामनयुधामामस्विरिमहीयणीवमश्चिवश्चरश्चरश्चरश्चर

मृगमय

वामगुण

श्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चरश्चर  
 वायवायेनिर्वाणकालिकोदवीश्रीयायूजा ॥ जयगुण ॥ विजय  
 मन्त्रीगिवनवाधियनय मन्त्रीमाया कलिकवि जयवायेनिर्वाणवलि कायव  
 श्रीयायूजा ॥ मधुसूत ॥ ननदिका लवाञ्ज जयादियूजा ॥ विजय  
 जयायेयायूजा ॥ विजय श्रीविजयायेयायूजा ॥ जयजि नायेयायूजा ॥  
 विजय श्रीजयवाजि नायेयायूजा ॥ विजय श्रीमन्मयायूजा ॥ विजय श्रीम  
 म् श्रीयायूजा ॥ विजय श्रीमारुनीयायूजा ॥ विजय श्रीआकर्षणयायूजा



[illegible]

नाययायूज ॥ विजं जं ज ४ संज्ञा नरुनवाय माहल की मकि सहिता  
ययायूज ॥ ॐ निजु हय गूजा विधि ४ ॥ पूर्वविमर्क ॥ ॐ ॥ गन  
हि वृक्षयूजा ॥ विजे संगत्वार्ययायूज ॥ विजं नं न जसेयायूज ॥ विजं न  
मसेयायूज ॥ कति विमलुल युजन ॥ ॥ गना वाक्क वरुका ययू  
जा ॥ ज्ञानेस ॥ विजं का की की का ४ कं गयालाययायूज ॥ नमय ॥  
जं जं मं मी मू ग ४ ॥ श्री कल ग ॥ ग्य वाययायूज ॥ वायूय ॥ विजं  
श्री की कलय वरु कना था ययायूज ॥ ॐ गन ॥ विजं श्री श्रीयूय



दो न हूँ लाक याला डी न २

म्यानिनी श्र ४ यायूज ॥ ॐ मित्र उ ४ का १ यूजन विप्रिया ॥ नवादा  
नेयूजा धूर्वादिनी ॥ ॐ जलें ॐ न्याययायूज ॥ विज नें ॐ नययायू  
ज ॥ विज मूं यसाययायूज ॥ विज दू नें मयाययायूज ॥ विज वें वन  
मयाययायूज ॥ विज यूं वायूवयायूज ॥ विज मूं कववाययायूज ॥  
विज दूं ॐ मयाययायूज ॥ विज जें अयसाययायूज ॥ विज उं द  
ययायूज ॥ ॐ निंलाक यालयूजन ॥ ॥ नवादा लादियूजन  
॥ ॐ ज दालाययायूज ॥ ॐ मूं वीधय ४ यायूज ॥ श्रीकव थायया  
ॐ मूं दि दान यजन नमि ॥ ७

यायूज ॥ ॐ ज मूं नं यनयनाययायूज ॥ विज मूं यायूज ॥ ॥  
ॐ ज विलयूज नयूवव ॥ विज मूं वीधय मूं यायूज ॥ ॥  
ॐ ज यकविश्या निनी नायि विजा मूं यज ॥ मूं उं यागजा मूं  
जा कल कूं दारु कायक विद्या निनी नायवली मूं वली लमवनी  
नुका केनी धूर्वादिनी मूं वनी व उय मूं वद सक मूं ववा मूं वनी लम  
विज मूं दासिनी नाय लमयवना वलिं गूं मूं २ मूं सिद्धि कूं व रुद  
मूं मूं मूं ॥ ॐ ज मूं मूं वलि मूं मूं २ मूं मूं ॥ ॐ ज मूं मूं